छत्तीसगढ़ राज्य के विकास में परिवहन क्षेत्र का योगदान

डॉ रितु मारवाह, सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य),
शासकीय दू.ब. महिला महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

डॉ.तपेश चन्द्र गुप्ता, प्राध्यापक (वाणिज्य),
शासकीय जे. योगान्दम् छत्तीसगढ़ महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

संक्षेपिका

छत्तीसगढ राज्य वर्तमान में औद्योगिक विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। राज्य के औद्योगिक विकास में बहुत से संसाधन का संयुक्त प्रभाव रहा है, जिसमें परिवहन क्षेत्र एक महत्वपूर्ण संसाधन है। किसी भी राज्य के आर्थिक, राजनैतिक, सामाजिक एंव सांस्कृतिक विकास मे परिवहन क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। राज्य में परिवहन सुविधाओं के विकास से व्यक्ति गतिशील हुए परिणाम स्वरुप वह रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य का बेहतर उपभोग करने में सक्षम हुए हैं। राज्य में सड़क मार्ग परिवहन का सबसे सशक्त माध्यम है यद्यपि कुछ जिलों को छोड़कर राज्य में रेल परिवहन की सुविधा उपलब्ध है। वायु मार्ग में भी राजधानी रायपुर महानगरों से संबंद्ध है। अतः हमने अपने शोध में राज्य के विकास में परिवहन क्षेत्र के योगदान का अध्ययन करने का प्रयास किया है।

परिचयः

रा"ट्र के सतत् विकास में समन्वित एवं सुव्यवस्थित परिवहन प्रणाली एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। परिवहन अर्थात् व्यक्तियो, पशुओं एवं माल के आवागमन का साधन। विगत व"ाों में तकनीकी विकास के परिणामस्वरूप द्रुतगति के परिवहन साधनो का विकास हुआ हैं, उपरोक्त संसाधनो के उचित उपयोग के लिए आवश्यक है कि आधारभूत संरचनाओ की उपलब्धता सुनिश्चित की जावे। वर्तमान में रा"ट्र के सुदूर क्षेत्रो तक परिवहन सुविधाओं का विस्तार हुआ। यद्यपि भारत के पास विश्व परिवहन का मात्र 1 प्रतिशत ही उपलब्ध है एवं प्रतिव"ा 10 प्रतिशत की दर से परिवहन ढॉचो और सेंवाओं की मॉग बढ़ रही है। व"ा 2018–19 के केंद्रीय बजट में उपरोक्त आवश्यकता का ध्यान रखतें हुए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय का कुल व्यय राशि 71000 करोड़ रूपये अनुमानित की गयी है, जो व"ा 2017–18 के संशोधित अनुमानों से 16 प्रतिशत अधिक है।

उद्देश्यः

1) राज्य में परिवहन क्षेत्र का अध्ययन।
2) राज्य में परिवहन क्षेत्र की वृद्धि का अध्ययययन।
3) राज्य में परिवहन क्षेत्र के बढ़ते योगदान का अध्ययन।

शोध प्रविधिः

प्रस्तुत शोध पत्र में द्वितीयक समंकों का प्रयोग किया गया है। समान्यतः परिवहन क्षेत्र के समंको में रेल्वे क्षेत्र को सम्मिलित नही किया जाता ,इनके सकल राज्य घरेलू उत्पाद की गणना भी पृथक की जाती है । प्रस्तुत शोध पत्र में रेल्वे एवं अन्य साधनो द्वारा परिवहन क्षेत्र की गणना सम्मिलित रूप से की गयी है। इस हेतु आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय द्वारा प्रकाशित प्रकाशनो एवं विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं का अध्ययन किया गया है, एवं वर्ष 2014–15 से वर्ष 2018–19 तक के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है।

परिकल्पनाः

H1 राज्य में परिवहन क्षेत्र का निरंतर विकास हो रहा है।
H2 राज्य के विकास में परिवहन क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान है।

राज्य में परिवहन क्षेत्र की स्थितिः

छत्तीसगढ राज्य भूआवे"ठत है एंव सात अन्य राज्यों मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, झारखंड़, ओडिसा, तेलंगाना, महारा"ट्र एवं आंध्रप्रदेश की सीमा से सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है अतः परिवहन का महत्व छत्तीसगढ़ राज्य तक ही सीमित नहीं है अपितु इसका राष्ट्रीय महत्व है। राज्य में परिवहन विभाग में 27 कम्प्युटराईज्ड़ कार्यालयो के माध्यम से कार्य संचालित किया जाता है। राज्य सरकार द्वारा अंतर्राज्यीय आवागमन को सुगम बनाने हेतु इ–वे बिल प्रणाली लागू की है फलस्वरूप जहॉ शीघ्रता से माल का आवागमन संभव हुआ है इस प्रणाली का उचित प्रयोग हेतु तकनीक कुशल कर्मकारो को रोजगाार भी प्राप्त हुआ है। राज्य मे रेल , वायु एवं सीमित मात्रा मे जल परिवहन की सुविधा उपलब्ध है परंतु राज्य सड़क परिवहन में अत्यंत उत्कृ"ट स्थिति में है। राज्य में मार्च 2014 में 32232 कि.मी. कुल सड़क थी, जो मार्च 2018 तक स्थिति में 32833 कि.मी. कुल सड़क हो गयी। रा"ट्रीय राज्य मार्ग की लम्बाई 3510 कि.मी. थी जो कुल सड़क का 10.69 प्रतिशत है। राज मार्ग की लंबाई 4176 कि.मी. थी जो कुल सड़क का 12.72 प्रतिशत है। मुख्य जिला मार्ग 11245 कि.मी. जो कुल सड़क का 34.25 प्रतिशत था एंव ग्रामीण मार्ग की लंबाई 13902 कि.मी. थी जो कुल सड़क का 42.34 प्रतिशत था। उपरोक्त समंको के विश्ले"k.ण से ज्ञात होता है कि राज्य में तीव्र गति से सड़को का विस्तार हो रहा है साथ ही इसकी गुणवत्ता में भी सुधार हो रहा है, आज राज्य में सड़के बाधा रहित एंव सुगम हो गयी हैं।

सात अन्य राज्यों से जुड़ा होने की वजह से रेल्वे क्षेत्र का महत्व अत्यधिक है राज्य का अधिकांश रेल्वे नेटवर्क दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे क्षेत्र के अधीन है इसका क्षेत्रीय मुख्यालय बिलासपुर है। राज्य खनिज संसाधनों से परिपूर्ण है अतः इनके आवागमन में रेल परिवहन की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। वर्तमान में राज्य में वायु मार्ग का विकास तुलनात्मक रुप से कम है, मात्र राजधानी रायपुर से मुम्बई, दिल्ली, कोलकात्ता, चेन्नई, बंगलुरु, हैदराबाद जैसे नगरों से नियमित/साप्ताहिक वायु सेवा उपलब्ध है। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर से शीघ्र अंतर्रा"ट्रीय विमान सेवा प्रारंभ होना प्रस्तावित है। राज्य में जल परिवहन की सुविधा नगण्य है अपितु राज्य में अनेक नदियों का जाल है । एक मात्र जल परिवहन शबरी नदी पर कोंटा से आंध्रप्रदेश के किनावरम तक उपलब्ध है।

परिवहन क्षेत्र में हो रहे विकास के अध्ययन के हेतु सकल राज्य घरेलु उत्पाद के समंको का विश्ले"ण आवश्यक है। इस हेतु परिवहन क्षेत्र के सकल राज्य घरेलु उत्पाद, वृद्धि दर एवं कुल सकल राज्य घरेलु उत्पाद में इसके योगदान के समंको का प्रयोग किया गया है।

परिवहन क्षेत्र का सकल घरेलू उत्पाद (लाख रू में)

तालिका क —1

व''र्ष	प्रचलित भावों में	स्थिर भावों में
2014-15	560034	514707
15-16	607772	560340
16-17(P)	673526	598409
17-18(Q)	741428	641671
18-19(A)	825080	691412

ग्रॉफ क —1

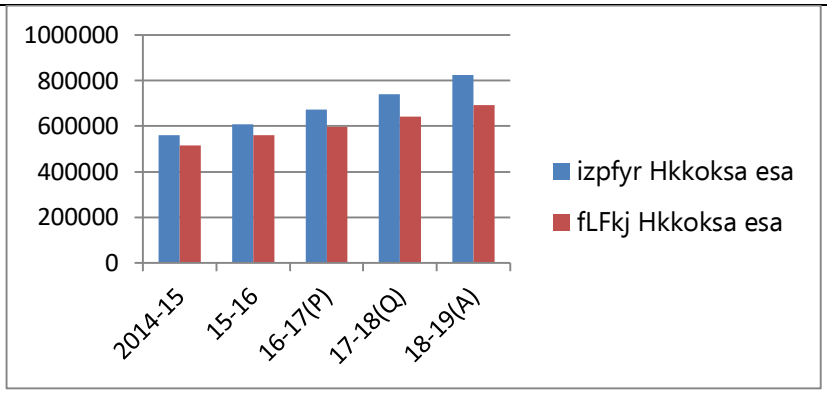

स्त्रोतः आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, नया रायपुर, छत्तीसगढ़।

वर्ष 2014—15 में प्रचलित एवं स्थिर मूल्यों पर सकल राज्य घरेलू उत्पाद का अध्ययन करने से ज्ञात होता है , सकल राज्य घरेलू उत्पाद मे् वृद्धि हो रही है। वर्ष 2014—15 में प्रचलित भावों में सकल राज्य घरेलू उत्पाद राषि 560034 लाख रूपये था, जो वर्ष 2018—19 में राशि 825080 लाख रूपये अनुमानित किया गया है, जो तुलनात्मक रूप से 47.3 प्रतिशत अधिक रहा। वर्ष 2014—15 में स्थिर भावों में सकल राज्य घरेलू उत्पाद राशि 514707 लाख रूपये था, जो वर्ष 2018—19 में राशि 691412 लाख रूपये अनुमानित किया गया है, जो तुलनात्मक रूप से 34.33 प्रतिशत अधिक रहा। उपरोक्त ऑकड़ो के विश्ले''ाण से ज्ञात होता है कि राज्य में परिवहन क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

परिवहन क्षेत्र की वृद्धि दर (प्रतिशत)

तालिका क —2

व''र्ष	प्रचलित भावों में	स्थिर भावों में
2014-15	8.66	7.44
15-16	8.52	8.86
16-17(P)	10.82	6.79
17-18(Q)	10.08	7.23
18-19(A)	11.28	7.75

ग्रॉफ क —2

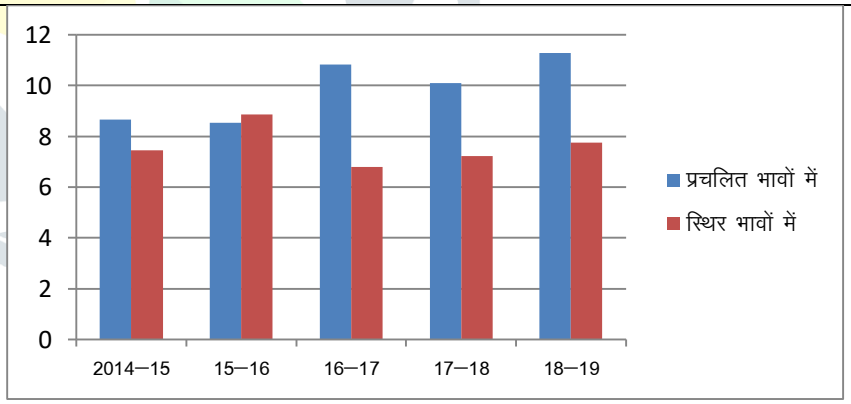

स्त्रोतः आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, नया रायपुर, छत्तीसगढ़।

वर्ष 2014—15 में प्रचलित मूल्यों पर वृद्धि दर 8.66 प्रतिशत जो व''र्ष 2018—19 में 11.28 प्रतिशत अनुमानित है जो परिवहन क्षेत्र में हो रही वृद्धि को दर्शाती है। स्थिर भावों में भी 2014—15 में वृद्धि दर 7. 44 प्रतिशत से वर्ष 2018—19 में 7.75 प्रतिशत हो गयी।

परिवहन क्षेत्र का योगदान (प्रतिशत)

तालिका क –3

व“f	प्रचलित भावों में	स्थिर भावों में
2014-15	2.68	2.94
15-16	2.81	3.10
16-17(P)	2.77	3.04
17-18(Q)	2.71	3.10
18-19(A)	2.79	3.16

ग्रॉफ क –3

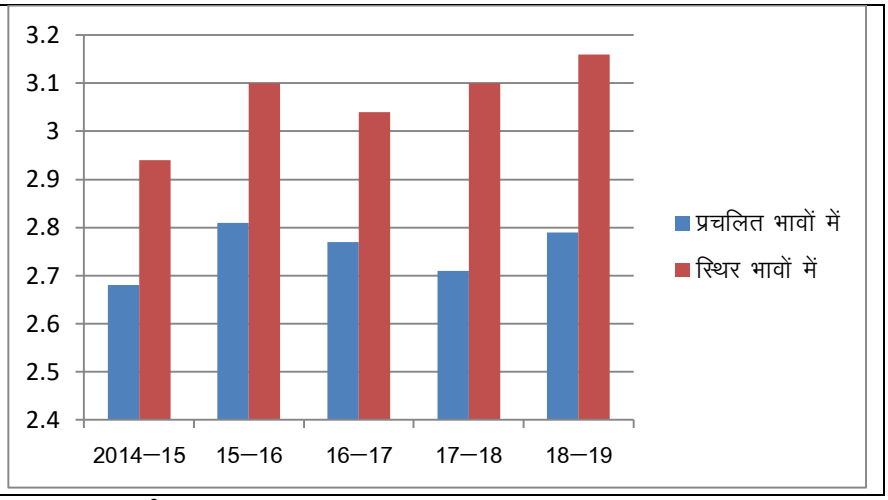

स्त्रोतः आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, नया रायपुर, छत्तीसगढ़।

वर्ष 2014–15 में प्रचलित मूल्यों में परिवहन क्षेत्र का योगदान 2.68 प्रतिशत था ,जो वर्ष 2018–19 में 2.79 प्रतिशत अनुमानित है, इसी प्रकार स्थिर भावों में वर्ष 2014–15 में परिवहन क्षेत्र का योगदान 2.94 प्रतिशत था ,जो वर्ष 2018–19 में 3.16 प्रतिशत अनुमानित है। उपरोक्त संमको के विश्ले“ाण से ज्ञात होता है कि प्रचलित एवं स्थिर भावों में परिवहन क्षेत्र का योगदान लगभग समान स्थिति को प्रदर्शित कर रहा है।

परिवहन क्षेत्र के विभिन्न समंको के अध्ययन से स्प“ट है कि राज्य में परिवहन क्षेत्र का प्रचुर मात्रा में विकास एवं विस्तार हो रहा है। दोनो ही परिकल्पनाएँ सत्य प्रतीत होती है। राज्य में परिवहन क्षेत्र में विकास एवं रोजगार की अपार संभावनाएं है, परंतु कुछ चुनौतियॉ भी है। यहॉ मैदानी क्षेत्रों में पर्याप्त सुविधाऐं है, परंतु उत्तरी एवं दक्षिणी क्षेत्र जो दुर्गम वनाच्छित है वहॉ अधोसंरचना की उपलब्धता सीमित है। साथ ही साथ नक्सल प्रभावित क्षेत्र भी एक समस्या है जिनका निराकरण किया जाना आवश्यक है ताकि राज्य में मजबूत अधोसंरचना एवं समुचित विकास संभव हो।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- आर्थिक सर्वेक्षण ,आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय रायपुर 2018–19
- दुबे, आर.एन. एवं सिन्हा, वी.सी. आर्थिक विकास एवं नियोजनः नेशनल पब्लिकेशन हाऊस नई दिल्ली ,2002.
- अग्रवाल. जी. के. एवं पाण्डेय एस. एन. शोध सांख्यिकीः साहित्य भवन पब्लिकेशन ,2004.
- Chhattisgarh at Glance, 2016, Directorate of Economics and Statistics, Government of Chhattisgarh.
- www.chhattisgarh.nic.in
- www.descg.gov.in
- www.csidc.in